शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग

नैक से 'बी'(2.90) ग्रेड की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

कैम्पस न्यूज

वर्ष- 2
अंक -2
नवम्बर - 2017

अतिरिक्त कक्षो का लोकार्पण
कन्या महाविद्यालय का विकास होगा - : प्रेमप्रकाश पाण्डेय

महाविद्यालय में रुसा के सहयोग से निर्मित 8 अध्ययन कक्षों का लोकार्पण प्रदेश के उच्च शिक्षामंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय के द्वारा संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के द्वारा महाविद्यालय को अधोसंरचना विकास के लिए 1.40 करोड़ रुपये तथा छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 1 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी जिसमें 8 अध्ययन कक्षों का निर्माण पूर्ण हुआ जिसका लोकार्पण करते हुए उच्च शिक्षा मंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय ने कहा कि शासन ने 900 वर्ग फीट के बड़े - बड़े अध्ययन कक्ष बनाये हैं ताकि विद्यार्थियों को पढ़ाई में सुविधा हो। बढ़ती प्रवेश संख्या को दृष्टिगत रखते हुए अतिरिक्त कक्षों का निर्माण प्राथमिकता से किया जा रहा है। नये सत्र में इन अतिरिक्त कक्षों का लाभ विधार्थियो को मिलेगा। महाविद्यालय में 6 और अतिरिक्त कक्षों का निर्माण भी शीघ्र प्रारंभ होगा। इसके लिए लोक निर्माण के अधिकारियों को मंत्री जी ने निर्देश दिए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशीलचंद्र तिवारी ने चर्चा में मंत्री जी को बताया कि 6 अतिरिक्त कक्षो के निर्माण की महती आवश्यकता है जिसके आभाव में पुराने भवन में संचालित विज्ञान कक्षाएं यहां पर स्थानांतरित नहीं हो पा रही। विज्ञान प्रयोगशाला भवन निर्माण की भी आवश्यकता बतलाई।

विचार संगीत से उत्पन्न होता है ।

महाविद्यालय के संगीत विभाग के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सौजन्य से भारतीय शास्त्रीय संगीतः समय और समाज की धारा के आधुनिक परिप्रेक्ष्य में'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी का उद्घाटन पूर्व मंत्री श्री हेमचंद यादव ने किया। उन्होनें अपने उद्बोधन में कहा कि संगीत वह विद्या है जो मन मस्तिष्क और शरीर को पूरी तरह बदल देता है, विचार संगीत से ही उत्पन्न होता है, ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो उससे प्रभावित नहीं हुआ हो। युद्ध के मैदान में भी जब तक रणभेरी नहीं बजती है तब तक युद्ध प्रारम्भ नहीं होता। जीवन के लिए संगीत महत्वपूर्ण व उपयोगी है संगीत में रोंगटे खड़े कर देने की शक्ति व ताकत है। शास्त्रीय संगीत एक साधना है पर आजकल शास्त्रीय संगीत के प्रति लोगों की रूचि कम है, हमें लोगों को शास्त्रीय संगीत के माध्यम से आनन्द की ओर ले जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री युवा स्वावलंबन योजना में छात्राओं की सफलता

महाविद्यालय में मुख्यमंत्री युवा स्वावलंबन योजना की नई बैच का शुभारंभ हुआ। स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ की गई इस योजना में ''चिप्स'' के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराया जावेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रारंभ की गई इस योजना में इस सत्र में 300 छात्राएँ हिस्सा ले रही है जिन्होनें ऑनलाईन पंजीयन कराया है। चिप्स द्वारा उन्हें 100 घंटे का प्रशिक्षण दिया जावेगा तत्पश्चात ऑनलाईन टेस्ट द्वारा मूल्यांकन कर रोजगार उपलब्ध कराया जावेगा। इस सत्र की बैच का शुभारंभ ''कार्यशाला'' के माध्यम से हुआ जिसमें चिप्स रायपुर के श्री निशांत ठाकुर, श्री मणीपुरी उपस्थित हुवे। उन्होनें इस योजना की संपूर्ण जानकारी छात्राओं को दी। उल्लेखनीय है कि विगत सत्र में भी इस योजना के अंतर्गत 80 छात्राओं ने सफलता प्राप्त की थी।

सम्पादक : डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, श्रीमती ज्योति भरणे

आई.क्यू.ए.सी. का न्यूज लेटर

अपनी बात .. . .

जिले में उच्च शिक्षा का विकास काफी तीव्र गति से हुआ है। शासकीय एवं निजी शैक्षणिक संस्थाएँ भी गुणवत्ता के मापदंड में खरा उतरी है। जिले में कन्या शिक्षा के क्षेत्र में महाविद्यालय ने भी नित नये आयाम गढ़े है। कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं गृहविज्ञान संकायों के इस सत्र के परीक्षा परिणाम ने यह साबित किया है कि इस संस्था ने अपने दायित्वबोध को सर्वोपरी रखा है।

महाविद्यालय की कु. रजनी को शहीद राजीव पाण्डेय खेल अंकरण मिलना, महाविद्यालय की 5 छात्राओं का छत्तीसगढ़ की टीम में चयनित होना तथा बैडमिंटन, हैण्डबाल, शतरंज में चैम्पियन बनना और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागिता से छात्राओं ने अपना परचम लहराया है।
राष्ट्रीय स्तर की शोध संगोष्ठियों तथा कार्यशालाओं तथा माटीशिल्प, पेपर मैशे शोध प्रविधि, रंगोली प्रशिक्षण, आत्मसुरक्षा जैसे विभिन्न आयोजनों ने छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में सहभागिता की है। प्रतियोगी परीक्षाओं यू.पी.एससी., पी.एससी., बैंकिंग, व्यापाम के लिए जारी प्रशिक्षण एवं विशेष कक्षाओं तथा मुख्यमंत्री युवा स्वावलंबन योजना में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखलाई है।

कैम्पस न्यूज का यह दूसरा अंक हमारी छात्राओं एवं संस्था की उपलब्धि का आईना है वही हमारे जनप्रतिनिधियों की संस्था के प्रति लगाव व योगदान को रेखांकित करता है। हमें अपनी संस्था के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों पर गर्व है ।

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी (प्राचार्य)

छात्रसंघ के पदाधिकारी (सत्र : 2017-18)

सुमन कुशवाहा
(अध्यक्ष)

रूपाली अल्सारे
(उपाध्यक्ष)

कु. देविका
(सचिव)

अनिता साहू
(सहसचिव)

5 छात्राओं का छत्तीसगढ़ टीम के लिए चयन

महाविद्यालय की छात्राओं ने खेल के क्षेत्र में भी अपना वर्चस्व बनाये रखा है। बी.सी.सी.आई. की महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए 20 जुलाई को सीनियर, अंडर-23 एवं अंडर-19 की टीमों के संभावित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी गई। जिसमें सीनियर वर्ग में एम.कॉम. की छात्रा प्रिया वर्मा ने अपना स्थान बनाया है। प्रिया ने विश्वविद्यालयीन एवं राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में भी अपना कीर्तिमान बनाया है।

महाविद्यालय की क्रीड़ा अधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बताया कि महाविद्यालय की चार छात्राओं का चयन अंडर-23 वर्ग में भी हुआ है। ये है कु. दीप्ति ढीमर, कु. देवकी ढीमर, कु. रेखा कोसले और कु. पल्लवी वर्मा। ये सभी बी.ए. प्रथम वर्ष में अध्ययनरत् है।

छत्तीसगढ़ टीम के लिए चयनित कु. श्याला आलिम, कु. लिशा और संगीता रामटेके भी इसी महाविद्यालय की छात्राएँ रही है।

कु. प्रिया वर्मा

कु. दीप्ति ढीमर

कु. देवकी ढीमर

कु. रेखा कोसले

कु. पल्लवी वर्मा

बेटी पढ़ाओं बेटी बचाओं अभियान के तहत

अग्रसेन मेरिट एवार्ड'' से सम्मानित हुई कन्या महाविद्यालय की छात्राऐं

अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित अग्रसेन जयंती के अवसर पर नगर की पाँच छात्राओं को महाराजा अग्रसेन मेरिट एवार्ड से सम्मानित किया गया जिसमें चार छात्राएँ इसी महाविद्यालय की है। अग्रवाल समाज द्वारा पहली बार नगर की दीगर समाज की बेटियों को प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह की पहल की गई है। पुरस्कार राशि के रूप में नगद 5100/- रूपये एवं सम्मान पदक प्रदान करते हुए अग्रवाल समाज के महासचिव कैलाश रूंगटा ने बताया कि महाराजा अग्रसेन जी के नाम से यह पुरस्कार प्रतिवर्ष नगर की बेटियों को दिया जायेगा। केन्द्र सरकार की मुहिम बेटी पढ़ाओं बेटी बचाओं के तहत समाज भी अपना योगदान करना चाहता है। कैलाश रूंगटा ने आगे बताया कि समाज के अध्यक्ष श्री विजय अग्रवाल द्वारा 10 लाख रू. की निधि शिक्षा एवं स्वस्थ हेतु उपलब्ध करायी गई है इस राशि के ब्याज से प्रतिवर्ष इस तरह के समाजोपयोगी कार्य किये जा रहे है।

महाविद्यालय की चार मेधावी छात्राएँ जिन्हें सम्मानित किया गया। (1) कु. रूपाली अल्सारे (बी.एससी. III), (2) कु. अनामिका झा (बी.ए.III), (3) कु. लीना साहू (बी.कॉम. III), (4) कु. तब्बसुम (बी.एससी.(गृहविज्ञान III)

इन सभी छात्राओं को प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बधाई दी और कहा कि भविष्य में भी वे इसी तरह बेहतर परीक्षा परिणाम लाकर महाविद्यालय एवं शहर को गौरवान्वित करें। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने भी अग्रवाल समाज द्वारा मेधावी बेटियों को पुरस्कृत करने के लिए आभार जताया।

''राष्ट्रीय एकता दिवस'' मनाया गया

महाविद्यालय में ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा प्रातः एकता के लिए दौड़ का आयोजन किया गया। महाविद्यालय में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. तिवारी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने सरदार पटेल के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता के लिए अविस्मरणीय कार्य किया जो सदैव स्मरणीया रहेगा। उन्होनें कहा कि सरदार पटेल की देश के विकास के लिए बनाई गयी नीतियों और दूरदर्शिता ने हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गयी। राष्ट्रीय एकता पर निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में छात्राओं ने हिस्सेदारी की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. सीमा अग्रवाल ने किया।

छात्राओं का ''दंत परीक्षण शिविर'' लगाया गया

महाविद्यालय में मेडिकल सेंटर एवं यूथ रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वाधान में दंत चिकित्सा परीक्षण शिविर लगाया गया। स्थानीय रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के सौजन्य से डॉक्टरों की टीम ने छात्राओं का दंत परीक्षण किया गया तथा उपचार किया गया। डॉ. राम तिवारी की पूरी टीम लगातार छात्राओं की दंत चिकित्सीय परीक्षण में मुस्तैदी से जुटी रही। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शिविर का शुभारंभ करते हुए कहा कि महाविद्यालय में स्थापित मेडिकल सेंटर को शहर के चिकित्सकों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है हम नियमित रूप से विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएगें साथ ही विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जावेगें जिससे महाविद्यालय की 2600 छात्राओं को इसका लाभ मिल सके।

मेडिकल सेंटर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी दी की शिविर में छात्राओं को दंत परीक्षण के साथ उपचार भी मोबाईल वैन में उपलब्ध उपकरणों के द्वारा किया गया। छात्राओं के लिए शीघ्र रक्त परीक्षण एवं सिकल सेल परीक्षण शिविर भी लगाया जा रहा है। महाविद्यालय की सभी छात्राओं का हेल्थकार्ड भी बनाया गया है। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने शिविर व्यवस्था के लिए मार्गदर्शन दिया। यूथ रेडक्रास की स्वयं सेवकों ने रूंगटा कॉलेज के चिकित्सकों डॉ. रामकृष्ण, डॉ. हीना साहनी, डॉ. बाला सुब्रमण्यम, डॉ. अभिवनव पटेल के साथ लगातार सक्रिय रही। शिविर में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का भी उपचार किया गया।

शिविर में रूंगटा दंत चिकित्सा महाविद्यालय के तकनीकी स्टॉफ के साथ व्याख्यातागण भी उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने छात्राओं का दन्त परीक्षण, उपचार के साथ ही कांऊसिंलिंग भी की। इस अवसर पर महाविद्यालय की छात्रायें बड़ी संख्या में दन्त परीक्षण के लिए उपस्थित थी। मेडिकल सेन्टर प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने शिविर की सफलता के लिये चिकित्सकों, स्वयं सेवकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

एकात्म मानववाद आज का दर्शन है

'एकात्म मानववाद के राह पर चलकर ही भारत अपने गौरव को विश्व में पुनः प्रतिष्ठित कर पाएगा। पं. दीनदयाल उपाध्याय का जीवन एवं उनके द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद का दर्शन ही भविष्य की चुनौतियों से टकराने में मार्ग प्रशस्त करेगा। ये बातें महाविद्यालय द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह के अवसर पर आयोजित व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में उपकार चन्द्राकर ने कही। उन्होनें पूर्व राष्ट्रपति माननीय अब्दुल कलाम जी को याद करते हुए भारतीय पौराणिक एवं ऐतिहासिक ग्रन्थों में छुपे उन वैज्ञानिक संकेतों तथा रहस्यों की चर्चा की जिन्हें आज पश्चिमी सभ्यता अपना बताकर हमें दीन-हीन दिखाने का प्रयत्न करता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.सुशील चन्द्र तिवारी ने इस समारोह के विविध आयोजनों को रेखांकित करते हुए इस व्याख्यान के महत्व पर प्रकाश डाला। व्याख्यान के दूसरे वक्ता डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी ने एकात्म मानववाद की प्रासंगिकता स्पष्ट करते हुए इस दर्शन की बारीकियों से विद्यार्थियों को रू-ब-रू कराया। एकात्म मानववाद के मूल में स्थिति व्यष्टि और समष्टि से आगे बढ़कर ब्रम्हष्टि की स्थापना को महत्व देते हुए आध्यात्मिकता को आज अधिक समीचिन बताया। इस कार्यक्रम की संचालक डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

हिन्दी दिवस पर विविध आयोजन

हिन्दी भाषा के मानक को बनाये रखना हमारी जवाबदारी है - डॉ. श्रद्धा चंद्राकर

महाविद्यालय में हिन्दी विभाग के तत्वाधान में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएँ तथा कविता प्रदर्शनी आयोजित की गई।

मुख्य कार्यक्रम शासकीय महाविद्यालय गुण्डरदेही की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में हुआ।

डॉ. चंद्राकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाषा में लगातार परिवर्तन व निर्माण होता है। आज की पीढ़ी भाषा के विस्तृत स्वरूप को बोझ समझती है। सूचनातंत्र के साथ भाषा मशीनी भाषा के रूप में प्रयुक्त हो रही है। हिन्दी में पाठक वर्ग कम हो रहा है। कई हिन्दी पत्रिकाओं का प्रकाशन बंद हो गया है। किन्तु आज भी हिन्दी उत्तरोत्तर विकास कर रही है। पूरे विश्व में हिन्दी का विस्तार हुआ है। हमें हिन्दी के मानदण्ड को बनाये रखना है और हिन्दी के प्रति हमारी जागरूकता भी बनी रहे यह तभी संभव जब हम मन से हिन्दी के प्रति अपना दायित्व समझेंगे।

कार्यक्र म के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हिन्दी की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ रही है। युवा पीढ़ी एवं हमारा बाजार हिन्दी को आत्मसात कर चुका है। विज्ञान के शोध क्षेत्रों में अभी भी अंग्रेजी का वर्चस्व है किंतु हिन्दी का शोधक्षेत्र में विस्तार से अब कहीं दिक्कत नहीं आती है।

चीन एवं अमेरिका में भी हिन्दी का अध्ययन विस्तारित हुआ है जो प्रमाण है। हिन्दी की विभागाध्यक्ष डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने कार्यक्रम का संचालन किया और हिन्दी दिवस की महत्ता को विद्यार्थियों को बताया। इस अवसर पर हिन्दी साहित्य परिषद का उद्घाटन किया गया तथा पदाधिकारियों, अध्यक्ष कु. पूनम साहू, उपाध्यक्ष, कु. रेणुका पटेल, कोषाध्यक्ष कु. अनुपमा ठाकुर, सचिव कु. निकिता पाण्डेय तथा अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। कु. काजल, कु. तृप्ति नायर, कृ. तृषणा नायर, कु. रूचि शर्मा तथा कु. भावना ने भी अपने विचार रखे।

एम.ए. हिन्दी साहित्य की छात्राओं ने मुक्तिबोध की कविता को स्वरबद्ध किया। जिसकी सभी ने प्रशंसा की।

इस अवसर विद्यार्थियों ने कविता पोस्टर बनाये जिसकी प्रदर्शनी लगाई गई। महाविद्यालय के चित्रकला विभाग के विद्यार्थियों ने डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन में देश के सुप्रसिद्ध साहित्यिकारों के चित्र बनाये जिन्हें प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योति भरणे ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्राएँ उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के संबोधन से छात्राएँ अभिभूत हुई

महाविद्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ऊर्जावान राष्ट्र संकल्प से सिद्धि की ओर का उद्‌बोधन शिक्षकों एवं छात्राओं ने दूरदर्शन के माध्यम से सुना।

प्रधानमंत्री के ऊर्जावान संबोधन एवं आव्हान से छात्राएँ अभिभूत हो गई। महाविद्यालय की जेंडर चैम्पियन एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रूचि शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री जी ने कहा कि नारी का सम्मान करने वालो को मेरा नमन उससे हम सभी गौरवान्वित हुए। वे कहती है कि प्रधानमंत्री जी के स्वच्छता संदेश तथा कौशल विकास के जरियें युवाओं को सुयोग्य बनाने का आव्हान प्रेरणादायी रहा।

एम.ए. की कु. निकता पाण्डे कहती है कि प्रधानमंत्री जी ने जब कहा कि असफलता ही सफलता का मुख्य आधार होता है तो मुझे काफी प्रेरणास्पद लगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने प्रधानमंत्री जी के युवा पीढ़ी के आव्हान को चिरस्मरणीय एवं प्रेरणादायक बताया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं छात्राएँ उपस्थित थे।

''स्वाइन फ्लू'' की दवा का वितरण

महाविद्यालय में यूथ रेडक्रास इकाई के तत्वाधान में डॉ. मोहन अग्रवाल के सौजन्य से छात्राओं को ''स्वाइन फ्लू'' की दवा खिलाई गयी। डॉ. अग्रवाल की उपस्थिति में छात्राओं को स्वाइन फ्लू से बचाव एवं उसके लक्षणों के विषय में जानकारी दी गयी तथा 1500 छात्राओं को दवा खिलाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल, डॉ.के.एल.राठी, डॉ. ऋचा ठाकुर आदि उपस्थित थे।

''वाणिज्य'' में रोजगार के सर्वाधिक अवसर उपलब्ध है।

आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के तत्वाधान में बी.कॉम. प्रथम एवं एम.कॉम प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आई.क्यू.एस.सी. की संयोजक डॉ. अमिता सहगल ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी दी तथा डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने शैक्षणेत्तर गतिविधियों तथा महाविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों एवं योजनाओं से परिचित कराया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने विद्यार्थियों से कहा कि वाणिज्य में रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध है। बशर्ते हम अपनी योग्यता को निखारे तथा पढ़ाई के साथ-साथ कम्प्यूटर ज्ञान एवं सामयिक घटनाक्रम से परिचत रहें।

वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष डॉ. के.एल. राठी ने रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी देते हुए समय-समय पर आयोजित होने वाले विषय विशेषज्ञों के व्याख्यानों की जानकारी दी। उन्होनें बताया कि इस वर्ष प्रथम वर्ष में छैमाही परीक्षा के प्राप्तांकों का 10 प्रतिशत वार्षिक परीक्षा में जोड़ा जाएगा तथा 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।

वाणिज्य की प्राध्यापक डॉ. शशि कश्यप एवं डॉ. व्ही.वासनिक ने भी छात्राओं को मार्गदर्शन दिया।

खेल अधिकारी डॉ. ऋतु दुबे तथा सांस्कृतिक प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने भी छात्राओं को विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्राध्यापकगण एवं छात्राँए उपरूस्थत थे।

''शिक्षक दिवस'' पर शिक्षकों का सम्मान

महाविद्यालय में शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने सत्र 2016-17 के उत्कृष्ट परीक्षाफल के लिए शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

अपने उद्‌बोधन में प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कहा कि आज का दिन हम शिक्षकों के लिए आत्ममूल्यांकन का दिन है। जब हम देखे कि कर्तव्य की कसौटी पर हम कितना खरे उतरे है। हमारे विद्यार्थी हमारे अध्यापन से मार्गदर्शन से कितने संतुष्ट है।

इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी.अग्रवाल ने कहानियों के माध्यम से शिक्षकों के महत्व को बतलाया। महाविद्यालय में इस वर्ष बी.ए. अंतिम में सर्वाधिक अंक प्राप्त छात्रा कु. अनामिका झा ने कविता पाठ किया। महाविद्यालय की पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा को जेण्डर चैम्पियन का बैच लगाकर स्वागत किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।

कॅरियर लॉन्चर के द्वारा प्रश्न मंच प्रतियोगिता

वाणिज्य विभाग में कॅरियर लॉन्चर संस्थान के द्वारा QUIZ COMPETITION का आयोजन किया गया । इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ.डी.सी.अग्रवाल एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ.के.एल.राठी ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कॅरियर लॉन्चर के श्री अनुपंम रघुवंशी ने छात्राओं को QUIZ COMPETITION के संबंध में जानकारी देते हुए बताया की यह प्रतियोगिता चार चरणों में आयोजित प्रथम चरण में विभिन्न महाविद्यालय में परीक्षा आयोजित कि जाएगी। द्वितीय चरण में विभिन्न महाविद्यालय से चयनित अधिकतम अंक वाले छात्र-छात्राओं की पुनः परीक्षा ली जाएगी तृतीय चरण भोपाल में आयोजित होगा, जहां छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश से चयनित छात्र-छात्राओं की परीक्षा ली जाएगी एवं अंतिम व चतुर्थ चरण दिल्ली में आयोजित होगी एवं विजेता को 1,00,000 - / रुपये की ईनाम राशि प्रदान की जाएगी।

इस प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय की 70 छात्राओं ने भाग लिया। इस परीक्षा परिणाम की घोषणा 15 दिन पश्चात की जाएगी एवं चयनित छात्राओं को द्वितीय चरण में भेजा जाएगा। इस कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के डॉ.वी.के.वासनिक, डॉ.शशि कश्यप, कु. नेहा यादव, कु.पिंकेश्वरी साहू एवं प्रिंयका आदि उपस्थित थे।

''राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ''

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 1 अगस्त से 14 अगस्त 2017 तक आयोजित स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने स्वच्छता की शपथ छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को दिलाई। महाविद्यालय की छात्राएँ एवं शिक्षक तथा कर्मचारी प्रति सप्ताह शनिवार को 2 घण्टे श्रमदान करेगें तथा परिसर को स्वच्छ एवं हराभरा करने के साथ गोदग्राम में श्रमदान करेगें। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं डॉ. सीमा अग्रवाल ने बताया कि छात्राओं का चार समूह बनाया गया है और इन समूहों के बीच कार्य विभाजन कर श्रेष्ठ समूह को पुरस्कृत किया जावेगा। महाविद्यालय द्वारा जारी ग्रीन कलेण्डर के अनुरूप छात्राओं को कार्य सौंपा जायेगा। उन्होनें बताया कि 14 अगस्त को प्रातः 10:00 बजे महाविद्यालय से स्वच्छता रैली निकाली जावेगी जो जिला स्तरीय होगी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, डॉ. सुचित्रा खोब्रागढ़े, डॉ. मोनिया राकेश, डॉ. ज्योति भरणे, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. ऋतु दुबे, कु. रूचि शर्मा तथा छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

''स्वच्छता ही सेवा'' में जुटी छात्राएँ

छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे परिसर को नियमित रूप से स्वच्छता रखेगी तथा स्वच्छता ही सेवा अभियान में अपनी अहम् भागीदारी देगी।

विगत 15 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाये गये स्वच्छता पखवाडा में छात्राओं जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता दी तथा निरंतर अभियान में जुटी रही।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने महाविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्राओं को स्वच्छता की शपथ दिलाने के साथ ही समय सारणी बद्ध ढंग से सफाई करने को कहा।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई तथा स्वच्छता समिति के तत्वाधान में विभिन्न प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गई। स्वच्छता दूत कु. रूचि शर्मा के नेतृत्व में छात्राओं ने केवल परिसर ही नहीं सार्वजनिक स्थानों में जाकर साफ-सफाई की तथा जागरूकता अभियान जारी रहा।

रेल्वे स्टेशन, शासकीय कार्यालयों एवं चौराहे पर भी स्वच्छता टीम ने अपना योगदान दिया।

रैली के माध्यम से छात्राओं ने नागरिकों के बीच जाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

भाषण, वाद-विवाद एवं निबंध प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने अपने विचारों की अभिव्यक्ति दी तथा बडी संख्या में हिस्सेदारी करके यह साबित कर दिया कि वे किसी से कम नहीं है। चित्रकला की स्पर्धा में भी छात्राओं ने रंगों के माध्यम से क्लीन दुर्ग की छवि उकेरी।

जनसुनवाई फाउंडेशन के दुर्गुण रहित दुर्ग अभियान में भी छात्राओं ने सहभागिता दी। छात्राओं ने ग्रामीण क्षेत्रों की स्कूलो में तथा गोदग्राम में भी स्वच्छता जागरूकता अभियान प्रारंभ किया है। स्वच्छता दूत कु. रूचि शर्मा ने जानकारी दी कि उनका समूह ग्रामीण क्षेत्र की स्कूलों में जाकर वहां के बच्चों की मदद करती है तथा उन्हें साफ-सफाई एवं नैतिक शिक्षा का संदेश देती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं सीमा अग्रवाल तथा महाविद्यालय की पंचमुखी योजना प्रभारी डॉ. मुक्ता बाखला के निर्देशन में छात्राएँ नियमित रूप से इस अभियान में जुटी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्रीन ऑडिट रिपोर्ट जारी

विश्व पर्यावरण दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी ''प्रकृति और हम'' में अपने विचार रखते हुए एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा कु. करिश्मा परवीन ने कहा कि हमने प्रकृति से लगातार लाभ उठाया है जबकि उसे देने में कंजूसी की है।

हमें अपने खास अवसरों जन्मदिन आदि में एक पौधा लगाने का संकल्प लेना चाहिए। पौधे से बढ़कर अच्छा उपहार हो ही नहीं सकता जो सदैव यादगार रहेगा और हमें अपने कर्तव्यबोध को प्रेरित भी करेगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर ''ग्रीन ऑडिट रिपोर्ट'' का विमोचन किया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विशेषज्ञों की टीम ने महाविद्यालय परिसर का ग्रीन ऑडिट कर रिपोर्ट तैयार की है जिसमें परिसर की वर्तमान हरियाली के साथ योजनाबद्ध ढंग से हरियाली विकसित करने के सुझाव है।

प्राचार्य डॉ. तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि प्राकृतिक ऊर्जा स्त्रोतों का बढ़ता दोहन और सिमटती हरियाली ने आज तापक्रम को 49 डिग्री तक पहुंचा दिया है। हमारी आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति जागरूक एवं सचेत करने के लिए हम विभिन्न आयोजन करते है। उन्होनें कहा कि महाविद्यालय की ग्रीन ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर परिसर को हरा-भरा करने के लिए विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी मिलकर योजनाबद्ध ढंग से पौधरोपण करेगें तथा उसे संरक्षित भी रखेगें।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि लगातार पेड़-पौधों के कटने से तापक्रम में लगातार वृद्धि हो रही है जो कि भविष्य में हिमखंडों(ग्लेशियर) को प्रभावित करेगी। इसके दूरगामी परिणाम होगें।

उन्होनें कहा कि विकास में पेड़-पौधे कभी बाधा नहीं बनते बल्कि हरियाली से ही विकास संभव है।

इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा परिसर स्थित पेड़-पौधों के आसपास सफाई की गई। कार्यक्रम का संचालन यशेश्वरी ध्रुव ने किया ।

विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में गर्ल्स कॉलेज की छात्राओं का वर्चस्व

छात्राओं ने सांस्कृतिक, साहित्यिक, क्रीड़ा के क्षेत्र के साथ ही पढ़ाई में भी अपना स्थान प्रावीण्यता क्रम में सुनिश्चित किया है।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने वर्ष 2016 की प्रावीण्य सूची घोषित की है जिसमें कई कक्षाओं में कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने अपना स्थान बनाया है।

बी.एससी. गृहविज्ञान की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान पर महाविद्यालय की छात्रा कु. सुमन कुशवाहा रही वहीं द्वितीय स्थान पर भी कु. हीना साहू ने कब्जा किया। इसी कक्षा में कु. सुमन देवांगन ने आठवां स्थान प्राप्त किया।

बी.ए. भाग-3 की प्रावीण्य सूची में कु. पूजा तिवारी ने पांचवा स्थान प्राप्त किया।

स्नातकोत्तर कक्षाओं की घोषित प्रावीण्य सूची में एम.कॉम अंतिम में कु. भूमि ठाकुर ने द्वितीय तथा कु. पूर्वा शर्मा ने छठवां एवं कु. आयुषी गुप्ता ने दसवां स्थान प्राप्त किया।

एम.एससी. भौतिक शास्त्र में कु. पिंटी ने चतुर्थ एवं कु. राखी सरकार ने दसवां स्थान बनाया। एम.एससी. गणित में कु. खिलेश्वरी ने पांचवा स्थान प्राप्त किया।

एम.ए. अर्थशास्त्र की प्रावीण्य सूची में कु. किरण सहारे ने नवम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय की छात्राओं के प्रवीण्य सूची में स्थान आने पर प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं छात्रसंघ पदाधिकारियों ने बधाई दी है ।

सुमन कुशवाहा

हिना साहू,

सुमन देवांगन

भूमि ठाकुर

बास्केट बाल प्रतियोगिता में

महाविद्यालय ने सुराना महाविद्यालय को हराकर स्पर्धा जीती

सेक्टर स्तरीय अर्न्तमहाविद्यालय महिला बास्केट बाल प्रतियोगिता का आयोजन बी.आई.टी. बास्केटबाल मैदान में किया गया। प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि अन्तर्राष्ट्रीय बास्केटबाल खिलाड़ी कु.एल.दीपा थी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने खिलाडियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि व्यक्तित्वनिर्माण में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एल.दीपा ने अपना खेल अनुभव सुनाया और खिलाडियों को शुभकामनायें दी। इस प्रतियोगिता में कुल 07 टीमों ने भाग लिया। अंतिम मुकाबला शास. कन्या महाविद्यालय दुर्ग एवं सुराना महाविद्यालय के मध्य खेला गया जिसमें शास. कन्या महाविद्यालय दुर्ग 34-12 से विजयी रहा। कन्या महाविद्यालय ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ब ड़े अंतर से यह स्पर्धा जीती।

इसके पहले प्रतियोगिता का प्रथम मैच सेठ रतनचंद सुराना महाविद्यालय विरूद्ध शास. विज्ञान महा. दुर्ग के मध्य खेला गया जिसमें सुराना महाविद्यालय 36-06 से विजयी रहा। प्रतियोगिता का दूसरा मैच भिलाई महिला महावि. विरूद्ध कल्याण महाविद्यालय के मध्य खेला गया, जिसमें भिलाई महिला महाविद्यालय 28-03 से विजयी रहा।

प्रतियोगिता का प्रथम सेमीफाईनल सुराना महाविद्यालय एवं सेंट थॉमस महा. के मध्य खेला गया जिसमें सुराना महाविद्यालय 26-13 से विजयी होकर फाईनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता का दूसरा सेमीफाईनल शास. कन्या महाविद्यालय, दुर्ग और भिलाई महिला महाविद्यालय सेक्टर-9 के बीच हुआ जिसमें शास. कन्या महाविद्यालय दुर्ग 38-18 से विजयी होकर फाईनल में जगह बनाई।

इस अवसर पर क्रीड़ा समिति के संयोजक डॉ. के.एल.राठी, पर्यवेक्षक मुरली मनोहर तिवारी, डॉ. अमरीक सिंह, डॉ. अब्दुल महमूद, डॉ. पूर्णिमा लाल, श्रीमती सुचित्रा खोब्रागड़े, डॉ. अनुजा चौहान, श्री संदीप आदि उपस्थित थे। निर्णायक के रूप में श्री अब्बास अली, श्री विश्भंर पाण्डे, श्री कुणाल राव एवं श्री सिद्धार्थ उपस्थित थे। पुरस्कार वितरण महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आरती गुप्ता के द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋतु दुबे क्रीड़ाधिकारी ने किया। विजयी छात्राओं को प्राचार्य एवं महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने बधाई दी है।

गर्ल्स कॉलेज में जनभागीदारी की बैठक

कन्या महाविद्यालय का विकास जारी रहेगा - श्रीमती गायत्री वर्मा

जनभागादारी समिति की बैठक आज संपन्न हुई। अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कन्या महाविद्यालय निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। इसकी विकास यात्रा जारी रहेगी कोई कमी नहीं आने पायेगी। बैठक में समिति ने कई प्रस्तावों को मंजूरी दी जिसमें प्रमुख रूप से महाविद्यालय के मुख्यद्वार के पास एटीएम कक्ष तथा स्टेशनरी शॉप का निर्माण, फर्नीचर के लिए दो लाख रूपये, नई किताबों के लिए पचास हजार रूपयें तथा सुपर ट्वेंटी डार्टस योजना के लिए पचास हजार रूपये की स्वीकृति दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने संबोधन में जनभागीदारी समिति की सक्रियता की प्रशंसा करते हुए इस सत्र की प्रमुख उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होनें इस अवसर पर सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। बैठक में जनभागीदारी समिति के सभी सदस्यगण तथा छात्रसंघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रूचि शर्मा जेण्डर चैम्पियन नियुक्ति

महाविद्यालय की पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रूचि शर्मा (एम.कॉम. तृतीय सेमेस्टर) की सक्रियता को देखते हुए उन्होंने जेण्डर चैम्पियन नियुक्ति किया गया। नोडल अधिकारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने उन्हें बेच लगाया। रूचि शर्मा राष्ट्रीय सेवा योजना की सक्रिय स्वयं सेवक भी हैं। उन्हें इस वर्ष स्वच्छतादूत भी नियुक्त किया गया है। मतदाता जागरुकता अभियान में उल्लेखनीय योगदान भी कैंपस एम्बेसडेर के रूप में दिया है।छात्राओं एवं महाविद्यालय की समस्याओं के निराकरण के लिए वे विगत दिनों माननीय मुख्यमंत्री रमन सिंह से भेंटकर ज्ञापन दिया। रूचि शर्मा के प्रयासों से महाविद्यालय मार्ग में शीघ्र सिटी बस चलने की घोषणा हुई है।

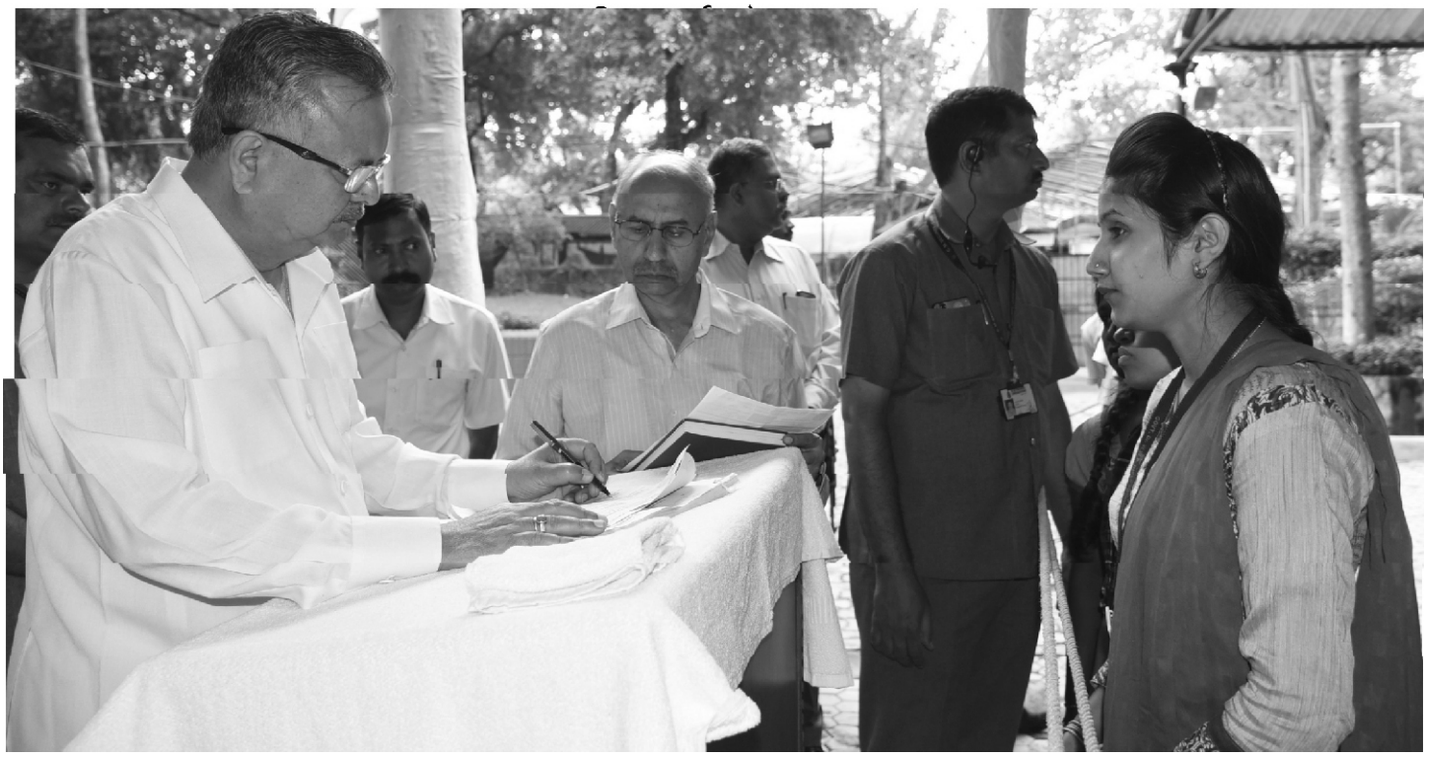

छात्राओं ने बनाया ''कस्तूरबा समूह'' सेवा एवं सहायता का लिया संकल्प

छात्राओं ने ''कस्तूरबा समूह'' बनाया है जिसमें समाज सेवा की भावना से जुड़ी 50 छात्राओं ने स्वच्छता, सेवा एवं सहायता का संकल्प लिया है।

महाविद्यालय की पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष एवं जेण्डर चैम्पियन तथा स्वच्छतादूत कु. रूचि शर्मा के नेतृत्व में समूह की छात्राएँ लगातार ग्रामीण क्षेत्र की शालाओं तथा बस्तियों में जाकर वहाँ की समस्याओं से अवगत होती है और अपने स्तर पर जहाँ हल करने का प्रयास करती वही प्रशासनिक स्तर पर पहल कर निदान का प्रयास करती है।

हाल ही में यह समूह ग्राम अमलेश्वर पहुँचा जहाँ स्कूल में निर्धन विद्यार्थियों को पेन, कॉपी तथा विद्यार्थियों को नंगे पैर देखकर 90 चप्पलें भी बांटी। बच्चों को स्वच्छता की आदत डालने का संकल्प भी दिलाया। वहां की छात्राओं को पढ़ाई कर समाज में अपनी प्रतिष्ठा स्थापित करने का आव्हान किया। शाला के शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापक से भेंट कर वहां की समस्याओं से अवगत हुई।

रूचि शर्मा के साथ कु. रीतिका श्रीवास, रानी साहू, जानकी, चंचल, कृति कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय भागीदारी करती है।

समूह की छात्राएँ अपने पॉकिट मनी से राशि एकत्र कर सहायता करती है। दुर्ग शहर के पदमनाभपुर के पास के झोपापट्टी इलाके में भी जाकर बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित किया और लेखन सामग्री के साथ चप्पले भी दी। वहां के बच्चों को तंबाकू तथा नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा उनसे होने वाले नुकसान के विषय में समझाया तथा बस्ती के रहवासियों को साफ-सफाई में स्वयं से प्रयास करने का अपील की। छात्राओं का यह समूह आगे भी अपनी योजनाओं में स्वच्छता एवं सहायता का अभियान निरंतर जारी रखेगा ऐसा संकल्प लिया है।

छात्राओं के इस समूह से अन्य छात्राओं में भी जुड़कर सेवा कार्य के लिये सहभागिता देने संपर्क किया है।

प्रदेश का पहला ''धरोहर झरोखा'' महाविद्यालय में उद्घाटित

3 फरवरी को पूर्वोत्तर भारत की संस्कृतियों को प्रदर्शित करती धरोहर झरोखा छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। भोपाल स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय द्वारा 36 चित्र महाविद्यालय को भेंट किए है।

इनके अंतर्गत भारत के 8 पूर्वोत्तर राज्यों सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम एवं मेघालय की सामाजिक एवं भाषायी विविधता सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत करते छायाचित्र अंचल के लिए उपलब्ध है।

राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल का उद्देश्य भारत में सांस्कृतिक प्रतिमानों की समृद्धता और विविधता को उजागर करते हुए अपनी विविध मुक्तावश एवं अंतरंग प्रदर्शनियों तथा गतिविधियों द्वारा राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना तथा लुप्तप्राय सांस्कृतिक परंपराओं के जिर्णोद्धार तथा लोकप्रियकरण हेतु गतिविधियाँ संचालित करना है। राष्ट्रीय मानव संग्रहालय ने कन्या महाविद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकारते हुए यह धरोहर झरोखा प्रदान किया है जो प्रदेश का एकमात्र महाविद्यालय है जहां चित्रकला विभाग के संयोजन में धरोहर झरोखा उपलब्ध कराया गया है।

प्रदेश का पहला धरोहर झरोखा का शुभारंभ पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।
डॉ. पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति से परिचित कराने राष्ट्रीय मानव संग्रहालय की यह कोशिश प्रसंशनीय है। भारत की एकता और सभ्यता का परिचय ये चित्र देते है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशीलचन्द्र तिवारी ने इस धरोहर झरोखा को महाविद्यालय की उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल के असिस्टेंट क्यूरेटर श्री आनंद टेहनगुरिया ने संस्थान का परिचय दिया तथा प्रदर्शनी के उद्देश्यों को बताया। संग्रहालय के फोटोग्राफिक अधिकारी तापस कुमार बिश्वास ने फोटो प्रदर्शनी का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचाल डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने किया।
समाचार के रूप में प्रकाशन हेतु निवेदित।

टेबलेट पाकर छात्राओं में खुशी की लहर

छत्तीसगढ़ युवा सूचना क्रान्ति योजना के तहत स्नातक एवं स्नातकोत्तार अंतिम वर्ष की छात्राओं को टेबलेट वितरण किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि इस वर्ष बी.ए. 106, बी.एससी. 108, बी.एससी. (गृहविज्ञान) 13, बी.कॉम. की 224 एवं पीजी की 58 छात्राओं को टेबलेट दिया जा रहा है। महाविद्यालय की 496 छत्राओं को इसका लाभ मिला है।

महाविद्यालय में आयोजित टेबलेट वितरण कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा के मुख्य आतिथ्य में छात्राओं को टेबलेट प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की महत्वपूर्ण युवा सूचना क्रान्ति योजना की उपादेयता इतनी ज्यादा है कि विद्यार्थी अपने कैरियर में टेबलेट के माध्यम से अध्ययन की विषय सामग्री के साथ रोजगार के विभिन्न अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम होगें।

सूचना क्रान्ति के युग में प्रदेश के विद्यार्थियों को सक्षम एवं अग्रणी बनाने के उद्देश्य से ही 'मुख्यमंत्री युवा स्वावलम्बन योजना'' भी प्रारंभ की गई है जिसमें इस सत्र में महाविद्यालय की 308 छात्राओं ने अपनी सहभागिता दी है। जनभागीदारी समिति की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश के युवाओं के लिए लागू की जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ विद्यार्थी उठावें तथा छत्तीसगढ़ के युवा पढ़ाई के साथ देश के उज्जवल भविष्य को भी सुनिश्चित करेगें।

विशिष्ठ अतिथि वार्ड पार्षद श्रीमती कविता तांडी ने भी महाविद्यालयीन छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए तकनीकी के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाने का आव्हान किया।

छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने भी मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह एवं प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री प्रेमप्रकाश पाण्डेय की सूचना क्रान्ति योजनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए छात्राओं को इनका सदुपयोग करने व कॅरियर गढ़ने की अपील की। प्राभारी प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कार्यक्रम में आभार प्रदर्शित करते हुए महाविद्यालय के विकास में जनभागीदारी के महत्वपूर्ण योगदान की चर्चा की।

विज्ञान विकास केन्द्र में पढ़ा रहे है शिक्षक

कन्या महाविद्यालय के शिक्षकों का 'विद्या प्रवाह' अभियान

शिक्षक ''विद्या प्रवाह'' अभियान के अन्तर्गत स्थानीय विज्ञान विकास केन्द्र में अध्यापन कार्य नियमित रूप से कर रहे। उल्लेखनीय है कि विज्ञान विकास केन्द्र में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों एवं प्रदेश के सुदूर इलाकों से छात्राएँ आकर निवास करती है। अधिकांश छात्राएँ इस महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं। महाविद्यालय प्रशासन ने विज्ञान विकास केन्द्र की प्रभारी श्रीमती ओझा के सहयोग से पढ़ाई में कमजोर छात्राओं के लिए केन्द्र में जाकर पढ़ाने का जिम्मा लिया है। वाणिज्य संकाय की कु. पूजा सोढ़ा एवं कु. नेहा यादव तथा विज्ञान संकाय की कु. मधु चंद्राकर, कु. कुंदल भट्ट प्रतिदिन केन्द्र में जाकर छात्राओं की पढ़ाती है तथा उनकी कठिनाईयों को हल करती है।

छात्राओं ने बताया कि हमें परीक्षा की तैय्यारी के लिए कन्या महाविद्यालय के शिक्षकों से समुचित मार्गदर्शन मिल रहा है जिससे हमें परीक्षा की तैयारी में मदद मिल रही है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने बताया कि ''विद्या प्रवाह'' अभियान में महाविद्यालय के शिक्षक अन्य संस्थाओं में जाकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन एवं अध्यापन करते है जिसके सकारात्मक परिणाम आए है।

ग्रामीण अंचल की हायर सेकेण्डरी स्कूलों में भी शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य सतत् रूप से जारी है । स्नातकोत्तर कक्षाओं की छात्राएं भी इस कार्य में सक्रिय भागीदारी कर रही है । महाविद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि विज्ञान विकास केन्द्र में प्रदेश के सुदूर आदिवासी अंचल की छात्राएँ रहती है । जिन्हें पढ़ाई के साथ-साथ कौशल उन्नयन के क्षेत्र में भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है ।

कन्या महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा इन छात्राओं के बेहतर परीक्षा परिणाम के लिये उनकी कठिनाईयों को ही नहीं बल्कि परीक्षा में उत्तर लिखने के तरीके तथा पाठ्य सामग्री के सम्बन्ध में भी टिप्स दिये जाते हैं । विद्या प्रवाह के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं के अंग्रेजी भाषा में कमजोर होने को देखते हुए विशेष कक्षाएं भी संचालित की जा रही है । जिनमें रेल्वे के सेनानिवृत्त अधिकारी श्री आर.बी. मिश्रा नियमित रूप से छात्राओं को अंग्रेजी भाषा का मार्ग दर्शन दे रहे हैं । कमजोर छात्रों के प्रति शिक्षकों के इस प्रयास के फलस्वरूप छात्राओं में उत्साह है । छात्रसंघ अध्यक्ष कु. रूचि शर्मा ने महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विद्या प्रवाह के अन्तर्गत किये जा रहे मार्गदर्शन को मिल का पत्थर बताया है तथा कहा कि स्नातकोत्तर कक्षाओं की छात्राओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की शालाओं में जाकर विद्यार्थियों को सतत् रूप से मदद की जा रही है ।

प्रेम उच्च कोटि का आध्यात्मिक मूल्य है - उदयन बाजपेयी

हिन्दी साहित्य विभाग द्वारा ''हिन्दी साहित्य में प्रेम अभिव्यक्ति के विविध आयाम'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष डॉ. विनय कुमार पाठक के मुख्य आतिथ्य एवं सुप्रसिद्ध कवि एवं समीक्षक उदयन बाजपेयी की अध्यक्षता में हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कवि एवं समीक्षक उदयन बाजपेयी ने कहा कि भारत का रीतिकालीन साहित्य विश्व में सर्वश्रेष्ठ है और वह प्रथम पंक्ति साहित्य है। गीत-गोविन्द इस देश की सर्वोकृष्ट रचना है। उन्होनें अभिनव गुप्त द्वारा प्रेम की व्याख्या का प्रसंग सुनाया। विद्यापति को महान कवि निरूपित करते हुए कहा कि उनके प्रेम गीतों में शरीर नहीं अपितु आत्मा का संदर्भ है। प्रेम उच्च कोटि का आध्यात्मिक मूल्य है। उन्होनें प्रेम और सौंदर्य की व्याख्या करते हुए बताया कि विप्रबन्ध श्रृंगार व संयोग श्रृंगार में अन्तर है। परकिया नायिका का वर्णन करते हुए प्रेम की अभिव्यक्ति को उच्च आयाम प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होनें हिन्दी साहित्य के साहित्यकारों द्वारा रचित प्रेम साहित्य के उदाहरण प्रस्तुत की। सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, पंत एवं प्रेमचंद के साहित्य को विषय सन्दर्भ में प्रस्तुत करते हुए प्रेम की अभिव्यक्ति की व्याख्या की। उन्होनें प्रख्यात कवि कमलेश द्वारा रचित विष्णुप्रिया का पाठ भी किया।

डॉ. विनय कुमार पाठक ने अपने संबोधन में प्रेम के संदर्भ में श्रृंगार शब्द की व्याख्या करते हुए कहा कि श्रंगार को समझे बिना प्रेम की अनुभूति संभव नहीं है। जिसमें दो प्रकार की संयोग एवं वियोग अनुभूतियाँ हैं। उन्होनें श्रृंगार को रसराज निरूपित करते हुए सौंदर्य की व्याख्या की। उन्होनें कहा कि श्रंगार के माध्यम से ही प्रेम को समझा और अभिव्यक्त किया जा सकता है। प्रकृति से ही सुख-दुःख और प्रेम के भावों को समझा जा सकता है।

उन्होनें प्रेम की प्रबलता की प्रवाह को छांयावाद की कवियों की देन कहा। छायावाद के आगे हरिवंशराय बच्चन द्वारा प्रतिपादित हालावाद को भी प्रेम की अभिव्यक्ति का माध्यम बताया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हमारी संस्कृति और साहित्य के मूल में प्रेम है। हिन्दी साहित्य के विद्वानों प्रेम को जाति, धर्म, सम्प्रदाय, सरहद के बजाय आदर्श की स्थापना की है।

इस अवसर पर डॉ. हंसा शुक्ला एवं डॉ. आई.एन. सिंह ने भी अपने विचार प्रस्तुत की। संगोष्ठी के पूर्व आयोजन सचिव डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने संगोष्ठी की विषय-वस्तु पर प्रकाश डाला। डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा कि - प्रेम का अर्थ केवल नायक-नायिका तक ही सीमित नहीं है। सच्चा प्रेम वह होता है जहाँ कामना और स्वार्थ न हो। प्रेम दाता है वह याचना नहीं करता। उन्होनें प्रेमचंद की रचना गोदान की चर्चा की। संगोष्ठी में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश एवं उड़ीसा से शोधकर्ताओं ने भाग लिया और अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया तथा सत्रान्त में श्रीमती ज्योति भरणे ने आभार प्रदर्शन किया।

साहित्य के सृजन में परम्परा का विशेष महत्व है - प्रभात त्रिपाठी

हिन्दी साहित्य विभाग द्वारा ''हिन्दी साहित्य में प्रेम अभिव्यक्ति के विविध आयाम'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन डॉ. सुमन मिश्र के मुख्य आतिथ्य में हुआ। समापन समारोह में मुख्यअतिथि डॉ. सुमन मिश्र ने कहा कि विभिन्न कालखण्डों में प्रेम की अभिव्यक्ति और स्वरूप भिन्न-भिन्न थे। आज के दौर में प्रेम के स्वरूप में ठहराव का अभाव दृष्टिगोचर होता है और यह चिंता का विषय भी है।

संगोष्ठी के दूसरे दिन मुख्य वक्ता सुप्रसिद्ध लेखक डॉ. प्रभात त्रिपाठी थे। उन्होनें अपने संबोधन में कहा कि साहित्य लेखन के पूर्वकाल से ही प्रेम तत्व उपस्थित रहा है। साहित्य के सृजन में परम्परा का विशेष महत्व है। उन्होनें इस बात पर जोर देते हुए कहा कि प्रेम साहित्य लेखन के लिये प्रेम नहीं अपितु प्रेम की अभिव्यक्ति आवश्यक है और जिसमें देहानुभूति के स्थान पर मूल्यानुभूति महत्वपूर्ण है।

प्रेम में स्वयं के स्थान पर दूसरा पात्र प्रमुख होता है। डॉ. त्रिपाठी ने घनानन्द, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला की कई काव्य रचनाएँ जो प्रेम की अभिव्यक्ति को सार्थक करती है की विस्तृत चर्चा की। उन्होनें अशोक बाजपेयी की प्रेम कविताओं का पाठ भी किया।

संगोष्ठी में शास. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के प्राध्यापक एवं प्रखर वक्ता डॉ. चन्द्रकुमार जैन ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में जहाँ मानव आपाधापी और दौड़भाग में लगा है। ऐसी स्थिति में दिशाभ्रम होना स्वाभाविक है और ऐसी स्थिति से उबरने के लिए जो तत्व महत्वपूर्ण है वह प्रेम तत्व है। इस प्रेम तत्व की मीमांशा देशज और वैश्विक साहित्य में समान रूप से की गई है। कबीर और मीरा के पदों में उपस्थित प्रेम तत्व की व्याख्या करते हुए डॉ. चन्द्रकुमार ने कहा कि प्रेम चेतना जागृत करने और पहचानने के लिये संत कवियों की उत्कृष्ठ भावना को गहराई से समझना होगा।

उन्होनें कहा कि चांदनी रात में तो सब कुछ देखा जा सकता है किन्तु घोर अन्धकार में सब कुछ देखने की क्षमता केवल प्रेम तत्व में है। संगोष्ठी में शोधार्थियों द्वारा शोधपत्र का वाचन भी किया गया। सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र वाचन के लिये डॉ. अम्बरीश त्रिपाठी को सम्मानित किया गया। शास. महा. दन्तेवाड़ा के प्राध्यापक डॉ. भुवाल सिंह ठाकुर ने अपने शोधपत्र में मानुष प्रेम की परीधि का विस्तार और परिवार विषय पर प्रकाश डाला। डॉ. आंचल श्रीवास्तव ने ''सुफियाना शैली में प्रेम'' पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। डॉ. सरिता भगत ने कालीदास के साहित्य में प्रेम पर अपना आलेख प्रस्तुत किया। शोध सत्र के अध्यक्षता डॉ. रीता गुप्ता एवं डॉ. शीला शर्मा ने किया।

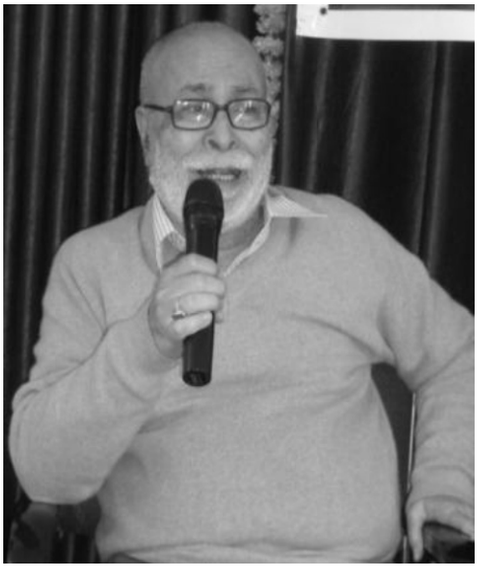

वन का संरक्षण महत्वपूर्ण लक्ष्य - के. सुब्रमण्यम

वनस्पतिशास्त्र विभाग द्वारा वनसंरक्षण पर तथा रसायनशास्त्र विभाग द्वारा रसायनों का दैनिक जीवन में उपयोग विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्टन अखिल भारतीय वन सेवा के अधिकारी डॉ. के. सुब्रमण्यम ने किया।

उन्होनें अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ में वनों की अधिकता हमारे पारिस्थतिक तंत्र को मजबूत करती हैं किंतु इसमें लगातार हो रही कमी चिंता का विषय है। यह कमी हमारे पर्यावरण व जैवविविधता को प्रभावित करती है। उन्होनें वनसंरक्षण को आज के समय का महत्वपूर्ण लक्ष्य बताया। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के प्राध्यापक डॉ.ए.पी. मिश्रा ने रसायनों के दैनिक उपयोग और उनकी अधिकता तथा दुरूपयोग पर चर्चा करते हुए कहा कि अधिकतम उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग भूमि की उर्वराशक्ति को ही नहीं प्रभावित करता बल्कि हमारे जीवन शैली को बदल रहा है। रोटी, कपड़ा और मकान के बाद अब हम स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ क्वालिटी पर केन्द्रित हो गये है।

उन्होनें उद्योगों के कारण हो रहे घातक रसायनों के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की। कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विज्ञान अभिशाप और वरदान पर पहले लिखा जाने वाला निबंध अब अभिशाप पर पर ज्यादा लिखा जाने लगा है क्योंकि हमने जानने के बाद भी दुरूपयोग करना बंद नहीं किया है और इसके भयावह परिणाम को भोग रहे है। हुगली विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के डॉ. एम.एल. घोष ने भी वनसंरक्षण पर नये शोधों पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न वनस्पति प्रजातियों की चर्चा की।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. आरती गुप्ता ने कार्यशाला के उद्देश्यों को बताते हुए कृषि, चिकित्सा एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हो रहे शोध कार्यों को प्रस्तुत करने का इसका मुख्य जरिया बताया। वनस्पति शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. ऊषा चंदेल ने वनों की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की। दूसरे सत्र में डॉ. डी.एन. शर्मा तथा डॉ. एच.एन. दुबे के व्याख्यान हुए। डॉ. शर्मा ने प्रयोगों के माध्यम से विस्तृत प्रकाश डाला।

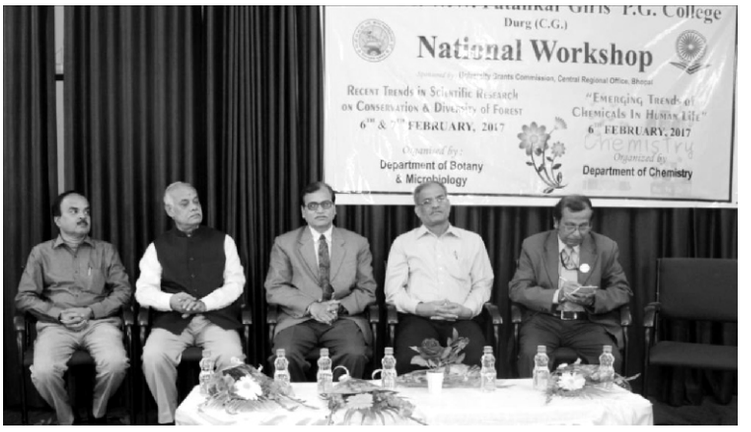

प्राणियों के व्यवहार से प्रभावित होता है पर्यावरण - डॉ. पाण्डेय

प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा प्राणियों के व्यवहार का मानव जीवन एवं वातावरण में प्रभाव विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति डॉ. एस.के. पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य एवं प्राचार्य डॉ. सुशीलचन्द्र तिवारी के अध्यक्षता में हुआ। अपने संबोधन में डा. एस. के. पाण्डेय ने कहा कि ब्रम्हाण्ड का विकास देखे तो हम आखिरी छोर में खडे है। सौर परिवार का ग्रह पृथ्वी वायुमण्डल से घिरा है जिसमें वनस्पति एवं जंतु दोनों उपस्थित है। उन्होनें कहा कि मानव ही ऐसा प्राणी है जिनमें सोचने एवं समझने की क्षमता, नवीनता, सृजनात्मकता व संवेदना है। मानव द्वारा प्रकृति से छेड़छाड़ से दुष्परिणाम के कारण हमें बहुत सी समस्याओं से जूझना पड़ता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने कहा कि इस संगोष्ठी का विषय व्यापक है जो विभिन्न विषयों को जोड़ता है। उन्होनें कहा कि हमारा व्यवहार तीन चीजों पर आधारित है। इच्छा, ज्ञान एवं भावनाएँ, हमारे व्यवहार को निर्धारित करती है। संगोष्ठी के प्रारंभ में संयोजक डॉ. निसरीन हुसैन ने सूक्ष्मजीव एवं जानवरों के व्यवहार का मनुष्य के जीवन और वातावरण में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होनें बताया कि देश के विभिन्न क्षेत्रों से 90 शोधपत्र प्राप्त हुए है। संगोष्ठी में शोधपत्रों पर आधारित स्मारिका का विमोचन भी किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सिकल सेल संस्थान छत्तीसगढ़ के डायरेक्टर डॉ. पी.के. पात्रा थे। उन्होनें कैंसर के लक्षणों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। विभिन्न रोगों में वातावरण के प्रभाव का रोचक वर्णन दिया।

संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में डॉ. चैतन्य निगम ने पशुजन्य रोगों के विषय में अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। वाइल्ड लाईफ फोटोग्राफर डॉ. प्रणव रॉय ने विडियो फिल्म के माध्यम से वन्यजीवों के व्यवहार पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। संगोष्ठी में डॉ. प्रणव रॉय के वन्य जीवों पर आधारित कैलेण्डर का विमोचन भी किया गया।

माइक्रोबायलॉजी में शोध की आपार संभावनाएँ - डॉ0 नायक

वनस्पति शास्त्र विभाग एवं माइक्रोबालॉजी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आज शुभारंभ हुआ। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि डॉ. एम.एल. नायक भूतपूर्व प्राध्यापक पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर थे। संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. नायक ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि ''शोध का क्षेत्र पहले सीमित था लेकिन अब शोध का क्षेत्र विस्तृत हो गया है। उन्होनें अपने आधार व्यक्तव में कहा कि ''छत्तीसगढ़ के वनों के संरक्षण एवं उनकी उपयोगिता तथा छत्तीसगढ़ के तालाबों का सर्वेक्षण किया गया है। उसमें अनेक प्रकार के बैक्टीरिया पाये गये है। प्रदूषित तालाब में लोग नहाते है जिनमें बैक्टीरिया की अधिकता होती है। सभी बैक्टीरिया बीमारी फैलाने वाले नहीं होते हैं। छत्तीसगढ़ में धारणा है कि बीमारियाँ देवी-देवताओं से होती है किन्तु ऐसा नहीं है। बीमारियाँ माइक्रोब्स से होती है। यदि घातक माइक्रोब्स तालाब में है तो उसे उपयोग में नहीं लाना चाहिए। डॉ. नायक ने बायोटेक्नोलॉजी के नये शोध क्षेत्रों तथा वैज्ञानिकों की भूमिका की सविस्तार चर्चा की। उन्होनें बड़े सरल तरीके से छत्तीसगढ़ के वनों एवं तालाबों विशेषकर रायपुर के तालाबों के सर्वेक्षण को विद्यार्थियों को बताया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि ''संगोष्ठी का विषय बहुत व्यापक है। माइक्रोबायोलॉजी ज्ञान का भंडार है। इसके माध्यम से पौधों में जीवन चक्र की विशेषतायें ज्ञात की जाती है। पौधों और प्राणियों में संवेदनशीलता एक जैसी होती है। खोजी प्रवृत्ति के कारण पौधों के संबंध में विश्वस्तरीय शोध चल रहा है इस संगोष्ठी के माध्यम से हमारी भी भागीदारी होगी। मानव हो या वनस्पति अंधाधुंध हैवी मेटल से पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। यह शोध इस दृष्टि से बड़ा उपयोगी सिद्ध होगा। इसके पूर्व संयोजक डॉ. ऊषा चंदेल ने संगोष्ठी के विषय एवं उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

प्रथम सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. आर. शांति अय्यर विभागाध्यक्ष ''लाईफ साईंस एवं फोरेन्सिक साईंस'' जैन यूनिवर्सिटी बैंगलुरू ने वनस्पति के साइटो टाक्सिक गुणों के मूल्यां कन पर प्रकाश डाला। सत्र अध्यक्ष डॉ. रेखा पिपलगांवकर थी। द्वितीय सत्र के विषय विशेषज्ञ - डॉ. विमल कुमार कानूनगो विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र नागार्जुन विज्ञान स्ना. महाविद्यालय रायपुर ने ''छत्तीसगढ़ में पाये जाने वाले पौधों के स्पीशीज संगठन एवं फाइटो रसायन के कारण अधिकाधिक वृद्धि'' पर व्याख्यान दिया। सत्र अध्यक्ष डॉ. रूपिन्दर दीवान थी। तृतीय सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ. एस. के. जाधव विभागाध्यक्ष बायोटेक्नालॉजी पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने ऊर्जा संसाधनों के वैकल्पिक स्वरूप पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर पोस्टर प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी पर विभिन्न क्षेत्रों से आये आलेखों का शोध सार कीपुस्तक स्मारिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया ।

शोध प्रविधि पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

आई.क्यू.ए.सी. द्वारा शोध प्रविधि (रिसर्च मेथेडोलॉजी) पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। शोधार्थियों एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. राजीव चौधरी, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर थे। कार्यशाला में डॉ. चौधरी ने शोध प्रविधि की आधारभूत जानकारियाँ तीन दिवसीय कार्यशाला में दी। उन्होनें प्रयोगात्मक व्याख्या, प्रतिदर्शन, संबंधित-विषयवस्तु, शोध विश्लेषण की विधियों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

डॉ. चौधरी ने शोधार्थियों को सांख्यिकी विश्लेषण की विधियाँ सिखाई। अपने व्याख्यान में उन्होनें शोध के नैतिक मूल्यों, नीतियों तथा होने वाली नकल पर चर्चा करते हुए शोध के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहन करने की विभिन्न योजनाएँ बतलाई। कार्यशाला में अपने संबोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने शोधकार्य के महत्व एवं आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में नया करने की चाह होनी चाहिए। उन्होनें छात्राओं को आव्हान किया कि शोध की गहनता एवं गंभीरता के साथ गुणवत्ता को बनाए रखना हमारा दायित्व है।

आई.क्यू.ए.सी. की समन्वयक डॉ. अमिता सहगल ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं नैक के द्वारा इस क्षेत्र में किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों की जानकारी छात्राओं की दी। वाणिज्य विभाग की सहायक प्राध्यापक कु. पूजा सोढ़ा ने सांख्यिकी की शोधकार्य में भूमिका पर अपनी पावरपाईंट प्रस्तुति दी।

कार्यशाला के प्रारंभ में आयोजन प्रभारी डॉ. रेशमा लॉकेश ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विद्यार्थियों के लिए इसका शोध कार्यों में बहुत ही अधिक महत्व है। कार्यशाला में समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, भूगोल, गृहविज्ञान, वाणिज्य के शोध छात्राओं एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ.डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि आई.क्यू.ए.सी. की इस पहल ने छात्राओं को शोध कार्य करने को प्रेरित किया है तथा डॉ. चौधरी से उन्हें महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिली है। कार्यशाला में डॉ. अलका दुग्गल, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. डोंगरे, डॉ. मोनिया राकेश, डॉ. मुक्ता बांखला, डॉ. ऋतु दुबे, पूजा सोढ़ा, रिमसा लॉकेश, नेहा यादव ने सहभागिता की।

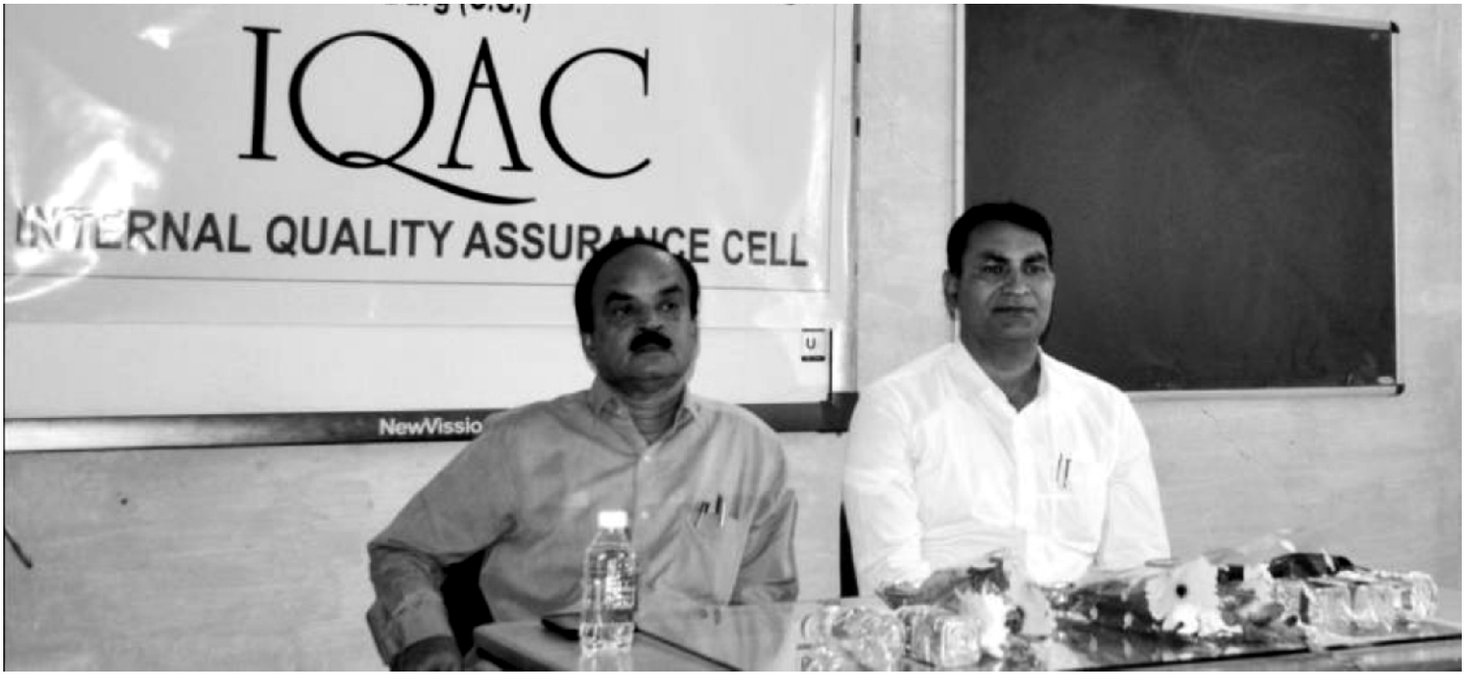

संगीत में नवनिर्माण सतत् जारी है ... डॉ सत्यशील देशपाण्डे

''भारतीय शास्त्रीय संगीत : समय और समाज की धारा के आधुनिक परिप्रेक्ष्य में'' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन बेहतरीन प्रस्तुतियाँ हुई।

संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा स्वरों की उपासना तारों की साधना विद्या की देवी माँ सरस्वती की अराधना के साथ द्वितीय दिवस का प्रथम सत्र आरंभ हुआ। प्रथम सत्र के विषय विशेषज्ञ डॉ0 सत्यशील देशपाण्डे शास्त्रीय खयाल गायक मुम्बई ने ''जड़े- (संदर्भ संगीत घरानों की सार्थकता एवं योगदान विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होनें कहा कि - मैं यहाँ जिस संगीत की बात कर रहा हूँ वह विगत सौ सवा सौ सालों में उत्तर हिन्दुस्तानी गायन पद्धति में जिसने जड़ पकड़ी है उस राग संगीत की है उत्तर भारतीय संगीत के 'घराने' याने ही विशिष्ट एवं विभिन्न सौन्दर्यशास्त्रीय दृष्टिकोणों का कम से कम तीन पीढ़ियों में पाया जाने वाला सतत्य सिलसिला होता है, हर घराने की बढ़त के अपने निजी कायदे-कानून होते हैं। संगीत के आगरा, जयपुर, किराना यह सभी घराने अपने परम उत्कर्ष पर थे हर घराने की गायन परम्परा का अलगपन दूसरे से बहुत स्पष्ट है। पारंपरिक कला मूल्य अमिट है। सब पारंपारिक कला मूल्यों के अनोखे और विभिन्न कलात्मक उपयोगों से परम्पराएँ बनती है और इन्हीं मूल्यों की पुनर्रचना से परम्पराएँ प्रवाहित रहती है और किसी दूसरी परम्परा के प्रवाह से जुड़ भी जाती है। इसे ही नव निर्माण समझा जाता है। भिलाई से पधारे श्री रामचन्द्र सर्पे ने तबले पर संगत की। डॉ0 स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने राग समय सिद्धान्त की उपादेयता विषय पर शोध पत्र का वाचन प्रस्तुत किया राग और रस का घनिष्ठ संबंध है राग स्वरों से बनते है रसों की सृष्टि मूलतः स्वरों पर निर्भर करती है।

संगीत की राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

विश्व भारती विश्वविद्यालय शांति निकेतन से आयी डॉ. इशिता चक्रवर्ती ने कल्चरिंग सिंगिंग वाइस पर अपने शोधपत्र का वाचन प्रस्तुत किया। डी.बी. गर्ल्स महाविद्यालय से नृत्य की सहायक प्राध्यापक डॉ. स्वप्निल करमहे ने कत्थक का सौन्दर्य पक्ष विषय पर अपना शोधपत्र का वाचन प्रस्तुत किया। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से आये श्री हिमांशु ने ग्वालियर घराने की नाद परम्परा विषय पर शोधपत्र का वाचन प्रस्तुत किया।

समापन सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. जयंत खोत ने ग्वालियर घराने के जयदेव की अष्टपदि और टप्पा के विषय में प्रस्तुति दी। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के प्रो. मुकुन्द भाले ने तबले की परम्परा एवं सौन्दर्य पक्ष पर विचार प्रस्तुत किये तथा कहा कि तबले की अपनी भाषा है जिसे समझने में कठिनाई भी होती है। तबला उतना ही पुराना है जितना संगीत। उन्होनें अपनी प्रस्तुति के माध्यम से तबला वादन की कला को प्रस्तुत किया।

समापन समारोह के अवसर पर मुख्यअतिथि की आसंदी से बोलते हुए प्रो. मुकुन्द भाले ने कहा कि इस तरह की संगोष्ठियाँ विषय को जीवन्त करती है तथा हमें सीखलाती है।

समापन समारोह में जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्रीमती गायत्री वर्मा ने अपने उद्बोधन में संगीत की सुधीर्घ परम्परा को बनाये रखने के लिये किये जा रहे सेमीनार को मिल का पत्थर बताया। संगोष्ठी का संचालन संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मिलिन्द अमृतफले ने किया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम में विभिन्न प्रांतो से आये प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा स्थानीय पत्रकारगण उपस्थित थे।

''माटी शिल्प कार्यशाला प्रारंभ''

तीन दिवसीय माटी शिल्प कार्यशाला का आज शुभारंभ हुआ। महाविद्यालय के चित्रकला विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएँ बनाने का प्रशिक्षण छात्राओं को दिया जा रहा है। कार्यशाला के संयोजक डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के प्रशिक्षक श्री धरम नेताम, श्री हेमचंद साहू तथा श्री राजेन्द्र सुनगरिया छात्राओं को मिट्टी से प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दे रहे है। प्रतिमाओं को प्राकृतिक रंगों से रंगा जावेगा। शुभारंभ अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल, सुप्रसिद्ध फिल्मकार श्री तुषार वाघेला तथा प्राध्यापकण उपस्थित थे। संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

पेपर मैशे कार्यशाला प्रारंभ

महाविद्यालय में तीन दिवसीय ''पेपर मैशे'' कार्यशाला आज प्रारंभ हुई। ललित कला आकदमी भुनेश्वर (ओड़िसा) के सौजन्य से आयोजित इस कार्यशाला में रघुराजपुर (ओड़िसा) के कलाकार प्रशिक्षण देने के लिए आए हुए है। ललित कला अकादमी के सचिव श्री रामकृष्ण वेदाला ने जानकारी दी कि पेपर मैशे से बेहतरीन कलाकृतियाँ बहुत ही कम खर्चे में एवं कम समय में बनायी जाती है। यह कला विश्व के कई देशों में प्रचलित है जिसे हम भारत के विभिन्न प्रदेशों में प्रचारित एवं प्रसारित कर रहे है। अकादमी के अधिकारी श्री केदार एवं बाबा राणा ने कार्यशाला की भूमिका की चर्चा की। संयोजक एवं चित्रकला विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी ने पेपर मैशे के संबंध में जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए ओड़िसा से आये प्रशिक्षकों का स्वागत किया तथा छात्राओं को हमारी सांस्कृतिक धरोहर को सीखने एवं आगे बढ़ाने का आव्हान किया। कार्यशाला में रघुराजपुर से आए प्रशिक्षक कविता महाराणा, सोनाली महाराणा एवं प्रभाकर ने छात्राओं को विभिन्न कलाकृतियों के बनाने का तरीका सिखाया। संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

पं. दीनदयाल जन्मशती समारोह आयोजित

पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचार ''नये भारत के निर्माण'' में महत्वपूर्ण है :-चंद्रिका चंद्राकर

महाविद्यालय में 15 सितम्बर से 25 सितम्बर तक आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह का समापन विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दुर्ग की महापौर श्रीमती चन्द्रिका चंद्राकर थी। इस अवसर पर पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन दर्शन प्रदर्शनी आयोजित की गई। छात्राओं को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जीवनी से परिचित कराया गया तथा नवीन भारत के निर्माण का संकल्प भी दिलाया गया। महाविद्यालय में रुसा के सहयोग से निर्मित 8 अध्ययन कक्षों का लोकार्पण प्रदेश के उच्च शिक्षामंत्री प्रेमप्रकाश पांडेय के द्वारा संपन्न हुआ।

सांसद एवं विधायक ने लगाए पौधे
अतिरिक्त कक्ष का हुआ लोकार्पण

महाविद्यालय में सांसद विधि से निर्मित अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण सांसद श्री ताम्रध्वज साहू के मुख्य आतिथ्यि में तथा श्री अरूण वोरा विधायक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सांसद एवं विधायक ने परिसर में पौधे भी लगाए। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद, जनभागीदारी समिति के सदस्य एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

''रंगोली प्रशिक्षण'' कार्यशाला आयोजित

महाविद्यालय में ''रंगोली'' प्रशिक्षण हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। रंगोली के सुप्रसिद्ध प्रशिक्षक श्री वीरेन्द्र कुमार मेहरा (बिट्टू) ने छात्राओं को विभिन्न प्रकार की रंगोली बनाने का आसान तरीका बताया। श्री मेहरा ने प्राकृतिक दृश्यों को रंगोली के माध्यम से बड़े ही खूबसूरती से उकेरा। सूर्योदय एवं सूर्यास्त के मनोरम दृश्यों को रंगोली के माध्यम से देखकर सभी ने प्रशंसा की। नवीन भारत के निर्माण का संकल्प भी दिलाया गया।

देशी डे पर गरबा की धूम

महाविद्यालय में नृत्य विभाग के तत्वाधान में ''देशी डे'' का आयोजन किया गया। इससे गरबा नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सभी छात्राएँ देशी परीधान में रंग-बिरंगे वेशभूषा में उत्साह से शामिल हुई। स्पर्धा में 20 टीमों ने हिस्सा लिया। छात्राओं के समूहों ने एक से बढ़कर एक गरबा नत्य प्रस्तुत किया जिससे पूरा माहोल नवरात्रि उत्सवमय हो गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती चंद्रिका चंद्राकर थी जिन्होनें छात्राओं की प्रतिभा को सराहना की तथा उन्हें पुरस्कृत किया स्पर्धा में ''भारतीय डांडिया ग्रुप ने प्रथम तथा देशी गर्ल्स समूह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय की रजनी को शहीद राजीव पाण्डेय खेल अलंकरण पुरस्कार

महाविद्यालय की छात्राएँ क्रीड़ा के क्षेत्र में भी अपना परचम लहरा रही है। महाविद्यालय की कु. रजनी आ. श्री कनप्पा को 2017-18 का शहीद राजीव पाण्डेय खेल अंकरण पुरस्कार से नवाजा गया। रजनी ने 25 से अधिक राष्ट्रीय स्पर्धाओं में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया है। 2015 में उन्हें शहीद पंकज विक्रम पुरस्कार भी मिला। 2016 में इण्डोनेशिया में आयोजित ऐशियन हैण्डबाल चैम्पियनशीप में भी प्रतिनिधित्व किया। रजनी ने नेशनल गेम 2015 केरल में भी अच्छा प्रदर्शन किया।

एलुमिनी सम्मेलन - 'छोटी बहन' छात्रवृत्ति योजना करेंगे शुरू

महाविद्यालय में महाविद्यालय के भूतपूर्व विद्यार्थियों का एलुमिनी सम्मेलन आयोजित किया गया।

विगत 20-25 वर्षों के पुराने विद्यार्थियों ने इस अवसर पर आपस में मुलाकात कर महाविद्यालय के पुराने दिनों की यादों को सांझा किया वही अभूतपूर्व निर्णय लेते हुए ''छोटी बहन'' छात्रवृत्ति की शुरूआत करने का प्रशंसनीय निर्णय लिया।

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, प्राचार्य, शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श , रायपुर द्वारा मुद्रित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)